B-384
L- 18
General
Geography

पवनों को चलाने वाले बल →

1. दाब प्रवणता बल → पवन का जनक होता है, ये उसकी दिशा व गति को निर्धारित करता है। समदाब रेखाओं से 90° लम्बवत् होता है।

2. घर्षण बल → पवन के बाद जन्म लेता है और केवल गति को प्रभावित करता है।
ये 1.5 से 3 Km. की ऊँचाई के बाद प्रभावहीन हो जाता है।

3. कोरिओलिस / पृथ्वी के घूर्णन जनित बल →
- पवन के बाद जन्म लेता है।
- ये केवल सापेक्षिक विचलन है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

- इसका संबंध पवन की गति से सीधा होता है।
- विचलन की दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में पवन की दिशा के दाऐं और दक्षिणी गोलार्द्ध में पवन की दिशा के बाऐं होती है।
- ये बल पवन की दिशा के लम्बवत होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

कोरिओलिस बल $\propto$ sin (अक्षांश)

विषुवत पर न्यूनतम
ध्रुवों पर अधिक

Scanned by CamScanner

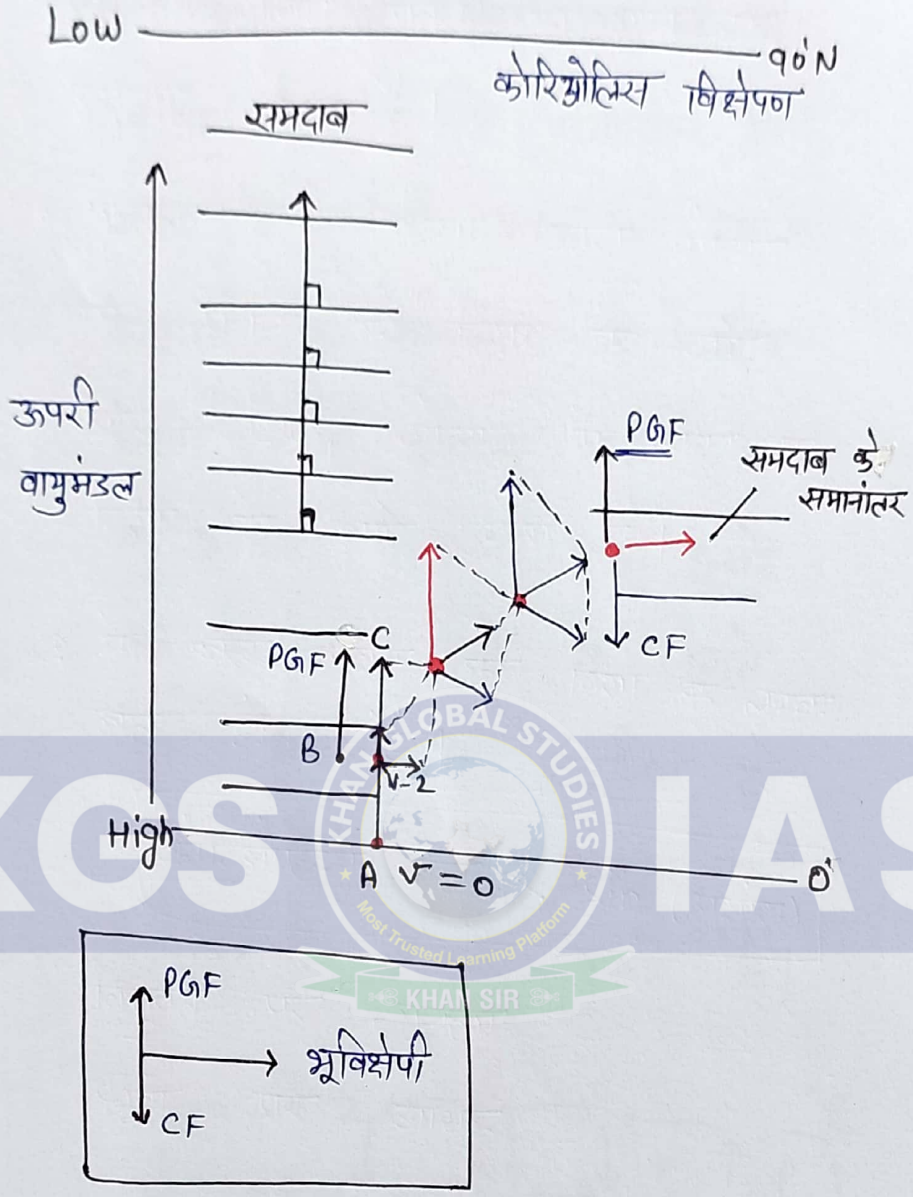

भूविक्षेपी पवन →

ऊपरी वायुमण्डल में दाब प्रवणता और कोरिओलिस विचलन के सम्मि-

Scanned by CamScanner

लित प्रभाव से पवन का संचरण समदाब रेखाओं के समानांतर हो जाता है। ऐसी पवन जो समदाब रेखाओं के समानांतर हो और जिसमें दाब प्रवणता बल व कोरिओलिस विचलन एक-दूसरे के विपरीत दिशा में लगते हुए आपस में संतुलित हो जाते हैं ऐसे प्रवाह को भूविक्षेपी पवन कहते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR
Scanned by CamScanner